E -100 Marks
Batch – 2020-21 /
2021-22/2022-23/2023-24

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

सत्र – २

परीक्षा : मई – २०२४

विषयः विशेष साहित्यकार उपन्यासकार–प्रेमचंद (भाग –२) (HC - 202)

दि.: १६/०५/२०२४ **कुल अंक : १००** **समय : प्रातः १०.०० से दो १.००**

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ 'सेवासदन' उपन्यास की कथावस्तु को संक्षेप में स्पष्ट करते हुए, उसकी विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

प्र. २ 'सेवासदन' उपन्यास में चित्रित समस्याओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

प्र. ३ 'रंगभूमि' उपन्यास में चित्रित सूरदास की चारित्रिक विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

प्र. ४ 'रंगभूमि' उपन्यास में प्रेमचंद जी ने तत्कालीन कौन–सी समस्याओं को उजागर किया है?

प्र. ५ 'निर्मला' उपन्यास की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

प्र. ६ 'निर्मला' उपन्यास की चरित्र योजना पर अपने विचार लिखिए।

प्र. ७ 'निर्मला' और 'सेवासदन' इन उपन्यासें मे चित्रित नारी समस्याओं को विश्लेषित कीजिए।

प्र. ८ 'रंगभूमि' उपन्यास में चित्रित कथानक का परिवेश और उसमें किन्ही दो सहायक चरित्रों की विशेषताएँ सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

प्र. ९ निम्नलिखित अवतरणों में किन्ही दो का संदर्भ लिखिए ।

१. मेरा विश्वास है कि अगर मेरी मुक्ति हो सकती है, तो मेरे कर्म से होगी।
२. क्या तुम्हीं मेरे अन्नदाता हो? जहाँ मजूरी करूंगी, वहाँ पेट पाल लूँगी।
३. सरकार की रक्षा में हम मन माने कर वसूल करते हैं, मनमाने कानून बनाते हैं।
४. मैं आप का स्नेह कभी भी न भूलंगा। मेरा पुनर्जन्म आप के गर्भ से हो।

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।

१. मन्साराम
२. 'रंगभूमि' उपन्यास में औद्योगिकरण
३. 'निर्मला' उपन्यास की प्रमुख समस्या
४. 'सेवासदन' की सुमन।